PG/IS/HINDI/104/24

M.A. 1st Semester Examination, 2024

HINDI

(*आधुनिक काव्य–१*)

PAPER – HINDI-104

Full Marks : 50

Time : 2 hours

Answer **all** questions

The figures in the right hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

GROUP – A

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2

(क) 'साकेत' के आधार पर गुप्त जी की नारी–भावना पर विचार कीजिए ? 'साकेत' मे कुल कितने सर्ग हैं और इसका प्रकाशन कब हुआ ?

(*ख*) 'कामायनी' में अभिव्यक्त आधुनिक भावबोध पर विचार कीजिए। 'कामायनी' में कुल कितने सर्ग हैं और यह कब प्रकाशित हुई ?

(*ग*) पठित पाठों के आधार निराला की प्रगतिशील चेतना पर विचार कीजिए। निराला द्वारा रचित किन्हीं दो काव्य-संग्रहों के नाम बताइए।

(*घ*) "पंत की कविताओं में मानवतावाद का प्रस्फुटीकरण भावनात्मक स्तर पर हुआ है"-कथन की समीक्षा कीजिए। पंत द्वारा रचित दो काव्य संग्रहों के नाम बताइए।

GROUP – B

2. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5×4

(*क*) "देवी की विजय, दानवों की,
हारों का होता युझ रहा:
संघर्ष सदा उर अंतर में
जीवित रह नित्य विरुद्ध रहा।"

(ख) शांत स्निग्ध, ज्योत्सना उज्ज्वल !
अपलक अनंत, नीरव भू-तल!
सैकत-शय्या पर दुग्ध-धवल, तन्वंगी गंगा, ग्रीष्म-विरल
लेटी हैं श्रान्त, क्लान्त, निश्चल !

(ग) मुझ भाग्यहीन की तू संबल
युग वर्ष बाद जब हुई विकल,
दुःख ही जीवन की कथा रही,
क्या कहूं आज, जो नहीं कही !

(घ) "विस्तृत नभ का कोई कोना
मेरा न कभी अपना होना,
परिचय इतना, इतिहास यही-
उमड़ी कल थी, मिट आज चली"

(ङ) "रंगों की आकुल तरंग जब हमको कस लेती है,
हम केवल डूबते नहीं ऊपर भी उतराते हैं । -
पुंडरीक के सदृश मृत्ति-जल ही जिसका जीवन है
पर, तब भी रहता अलिप्त जो सलित्म और कर्दम से ।"

(च) "दो वंशों में प्रकट करके पावनी लोक-लीला,
सौ पुत्रों से अधिक जिनकी पुत्रियां पूतशीला;
त्यागी भी हैं शरण जिनके, जो अनासक्त गेही,
राजा-योगी जय जनक वे पुण्यदेही, विदेही ।"

[Internal Assessment — 10 Marks]